IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 3, Issue 2, February 2023
Impact Factor: 7.301

प्राचीन भारतीय दण्ड न्याय प्रशासन विधि

डॉ. ऋषिकुमार द्विवेदी
प्राचार्य, स्वामी नीलकंठ विधि महाविद्यालय, मैहर, जिला–सतना (म.प्र.)

शोध सारांशः

प्राचीन भारतीय दण्ड न्याय प्रशासन विधि का देवभाषा संस्कृत की शिक्षा को अनिवार्य रूप से लागू कर न्याय विधि स्नातक पाठ्यक्रमों संस्कृत भाषा के ज्ञान का प्रचार–प्रसार हो साथ ही साथ इस न्यायिक विभाग में होने वाले न्याय विधि गतिविधियों में योग्य व्यक्तियों के पदस्थापना होने पर समाज से वंचितों को न्यायिक विधि संगत न्याय करने की दिशा में अग्रसर होकर समाज को लाभान्वित करने की दिशा में अग्रसर होना चाहिए। इन्हीं बिन्दुओं को इस शोध पत्र में प्रस्तुत करने का अभिवन प्रयास किया गया है।

मुख्य शब्दः प्राचीन, भारतीय, दण्ड, न्याय, प्रशासन, विधि, आर्थिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक इत्यादि।

संदर्भ स्रोतः

[1]. ऋ.अ. , अ.2, अ. 24, मं. 1
[2]. यजु. अ.20, मं. 10
[3]. अथर्व. का. 6 अनु. 10 व 97 मं.3
[4]. अथर्व0 का. 19/अनु. 7 व 15 मं.6
[5]. दयानन्द ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका
[6]. न्याय दर्शन अ. 1 सूत्र–3
[7]. न्याय दर्शन अ.1 सूत्र–3
[8]. न्याय दर्शन अ.1 सू.–7
[9]. न्याय दर्शन अ.1 सू.–33
[10]. न्याय दर्शन अ.1, अ.2 सू.–29
[11]. न्याय दर्शन अ.1 आन्हिक–2 सू.–10
[12]. न्याय दर्शन अ.2 आन्हिक–1 सू.–1
[13]. न्याय दर्शन अ.1 आन्हिक–1 सू.–41
[14]. वृहस्पति स्मृति संस्गर खण्ड 13/14
[15]. मनु – 3/56
[16]. मनुस्मृति – 9/68
[17]. मनुस्मृति 9/118
[18]. मनुस्मृति 8/350
[19]. मनुस्मृति /9/130

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 3, Issue 2, February 2023
Impact Factor: 7.301